भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
वित्तीय सेवाएं विभाग
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 953

जिसका उत्तर सोमवार, 10 फरवरी, 2025/21 माघ, 1946 (शक) को दिया गया

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में कर्मचारियों की संख्या कम होना

953. श्री सेल्वाराज वी.:

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या यह सच है कि सरकारी क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) में कर्मचारियों, विशेष रूप से लिपिकों और सहायक कर्मचारियों की संख्या वर्ष 2011 से काफी कम होती जा रही है;
- (ख) यदि हां, तो वर्ष 2011, 2017 और 2024 में सरकारी क्षेत्र के बैंकों में अधिकारियों, लिपिकों और अधीनस्थ कर्मचारियों की संख्या कितनी थी और पीएसबी में कुल कर्मचारियों की संख्या की तुलना में लिपिकों और सहायक कर्मचारियों का प्रतिशत कितना है; और
- (ग) विगत तेरह वर्षों में पीएसबी में कर्मचारियों की संख्या में कमी के कारण क्या हैं?

उत्तर

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी)

(क) से (ग): सरकारी क्षेत्र के बैंक (पीएसबी) बोर्ड अभिशासित वाणिज्यिक संस्थाएं हैं। सरकारी क्षेत्र के प्रत्येक बैंक में जनशक्ति की आवश्यकता का निर्धारण संबंधित पीएसबी द्वारा विभिन्न कारकों को ध्यान में रखते हुए किया जाता है, जिनमें अन्य बातों के साथ-साथ कारोबार संबंधी अपेक्षा, कार्यकलापों का विस्तार, अधिवर्षिता और अन्य अनियोजित सेवा त्याग शामिल हैं। तदनुसार, सरकारी क्षेत्र के बैंकों द्वारा अधिकारियों और कर्मचारियों की नियुक्ति की जाती है और यह उनकी आवश्यकताओं के आधार पर वर्ष दर वर्ष बदलती रहती है।

पीएसबी के अनुसार, अधिकारियों, लिपिकों और अधीनस्थ कर्मचारियों की संख्या निम्नानुसार है:

संवर्ग / वर्ष	2011	2017	2024	दिनांक 1.1.2025 की स्थिति के अनुसार
अधिकारी	239997	319685	412977	421584
लिपिक	254232	269271	248539	248173
अधीनस्थ कर्मचारी	124609	119288	95199	88851
कुल	618838	708244	756715	758608

दिनांक 1.1.2025 की स्थिति के अनुसार, कर्मचारियों की कुल संख्या में लिपिक और अधीनस्थ कर्मचारियों का प्रतिशत क्रमशः 32.71% और 11.71% है।

पीएसबी से प्राप्त सूचना के अनुसार, दिनांक 1.1.2025 की स्थिति के अनुसार, उनकी व्यावसायिक आवश्यकता की तुलना में 95% कर्मचारी (लिपिक और अधीनस्थ कर्मचारी) कार्यरत हैं। कम अनुपात में अंतर अधिवर्षिता तथा अनियोजित सेवा परित्याग सहित अन्य घटकों के कारण हैं।